राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती समारोह

'साहित्य की निरंतर सिमटती सामाजिक भूमिका' विषय पर हुई चर्चा

वर्धा, 9 अगस्त :राष्ट्रकवि स्मृति समिति, वर्धा तथा महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान की विद्यार्थी परिषद

की ओर से राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती के उपलक्ष्य में 'गुप्त जी के बहाने : साहित्य की निरंतर सिमटती सामाजिक भूमिका' विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया। चर्चा की अध्यक्षता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. देवराज ने की। चर्चा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो. के. के. सिंह, डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, पंडित सुधाकर शर्मा आदि ने सहभागिता की। चर्चा में डॉ. ऋषभ देव शर्मा, अशोक नौगरइया, डॉ. हेमचंद्र वैद्य ने कुछ प्रश्न उठाकर अपनी जिज्ञासाएं व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपमा गुप्ता ने किया।

चर्चा में वक्ताओं का कहना था कि 1920 से 1950 की कविताओं में एक आंदोलन था। इस दौर की कविताएं ह्रदय को स्पंदित करती थीं और वे समाज में नव-चेतना जागृत करने का साधन बनीं। गुप्त जी इसके प्रणेता

थे और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके काव्य ने एक महती भूमिका निभाई। वक्ताओं ने माना कि आज भी बहुत सुंदर काव्य सृजन हो रहा है, प्रकाशन की बेहतर सुविधाएं हो गयी है किंतु जनमानस में उनका प्रभाव नहीं दिखाई देता। इसका दोष वैश्वीकरण को देना व्यर्थ है। पूर्व की भांति आज जन-संवाद कम हो गया है यही

कारण है कि आज के दौर में कवि और समाज अलग-थलग हो गये प्रतीत होते हैं। कहा जाए तो आज समाज और देश की स्थिति पर साहित्य का प्रभाव नगण्य सा हो गया है।

महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान सेवाग्राम के डॉ. सरोजिनी नायडू सभागार में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. मैथिलीशरण स्वरचित हिंदी काव्य प्रतियोगिता के विजेताओं सुश्री दिव्या दीक्षित और विदित पांचाल को पुरस्कार प्रदान किये गये। विजेताओं ने अपनी पुरस्कृत कविताओं का पाठ भी किया। इस अवसर पर डॉ. ओमप्रकाश गुप्त द्वारा वृद्धजनों के स्वास्थ्य से संबंधित मराठी से अनूदित डॉ. संजय बजाज लिखित पुस्तक 'उत्तरायण' का लोकार्पण मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में कस्तुरबा हेल्थ सोसायटी के सचिव डॉ. बी. एस. गर्ग, संस्थान के अधिष्ठाता डॉ. के. आर. पातोंड, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रो. अनंतराम त्रिपाठी, डॉ. राजेश गुप्ता, आशा गुप्ता, अशोक नौगरइया, डॉ.

एस. कुमार, श्रीमती कुमार, डॉ. उल्हास जाजू, गीता गुप्ता, डॉ. दिलीप गुप्ता, नरेंद्र दंढारे, अनिल नरेडी, आनंद शुक्ला, डॉ. अनिल दुबे, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, बी. एस. मिरगे, शहनाज सिद्दीकी, डॉ. शोभा बेलखोडे, डॉ. रमेश पांडेय, डॉ. प्रतिभा नारंग, डॉ. नारंग, डॉ. सतीश कुमार, आशना, भव्या गुप्ता सहित संस्थान के विद्यार्थी प्रमुखता से उपस्थित थे।